भारत-जर्मनी कारोबार शिखर बैठक में प्रधानमंत्री का वक्तव्य

दिनांक 24 अप्रैल, 2006
हनोवर, जर्मनी

चांसलर मर्केल, मुझे भारत-जर्मनी शिखर बैठक के उद्घाटन सत्र में आज आपके साथ यहां उपस्थित होकर खुशी हो रही है। मुझे पता है कि आप भी दोनों देशों के बीच घनिष्ठ व्यापारिक और कारोबारी रिश्तों के बारे में मेरे उत्साह में शरीक हैं। हनोवर में आयोजित इस औद्योगिक मेले में कारोबारी शिखर बैठक और अन्य आयोजनों से हमारे कारोबारी समुदायों को फायदेमंद संपर्क कायम करने के शानदार अवसर प्राप्त हुए हैं। इससे हमारे परस्पर वाणिज्यिक रिश्तों को भी नई मजबूती मिली है। महामहिम, मुझे आशा है कि हम भारत और जर्मनी के रिश्तों को सहयोग की नई ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

मैं हनोवर मेले के प्राधिकारयों को उनकी शानदार व्यवस्था तथा आतिथ्य के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। भारत के लिए यह सम्मान की बात है कि वह 21 साल के अंतराल के बाद फिर से एक साझीदार देश के रूप में इस आयोजन में शामिल हो रहा है। भारत और जर्मनी के बीच काफी पुराने और मजबूत सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक रिश्ते हैं। भारत में जर्मन उद्यमियों और सृजनशीलता का काफी सम्मान है। आज जर्मनी भारत में छठवां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है और जर्मनी की अधिकांश बड़ी कंपनियां भारत में मौजूद हैं तथा अच्छा कारोबार कर रही हैं। कई कंपनियां अपने क्षेत्रों में बाजार में अग्रणी हैं। भारत में जर्मनी की कई सहायक कंपनियों ने अपनी मूल जर्मन कंपनियों से बेहतर कार्यनिष्पादन किया है। इससे दोनों देशों के बीच सहयोगी कारोबार के लिए एक अच्छा आधार बना है। हालांकि जर्मनी की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में काफी पहले से मौजूद हैं और भारत को अच्छी तरह जानती हैं। जर्मनी की मितेलस्टैंड ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में और घनिष्ठ संपर्क की अपेक्षा रखते हैं। इस संदर्भ में, मैं इन लक्ष्यों को बढ़ावा देने में जर्मन-भारत गोलमेज सम्मेलन के उत्कृष्ठ कार्यों की सराहना करना चाहूंगा।

हमारे दोनों देशों के बीच अच्छे कारोबारी रिश्तों की वजह से ही हमारा एक-दूसरे के प्रति सकारात्मक नज़रिया है। मुझे यह देखकर बड़ी खुशी हुई कि जर्मनी के अग्रणी कारोबारियों के बारे में कराए गए एक ताजा सर्वे के अनुसार जर्मनी की 80 प्रतिशत से ज्यादा कंपनियां भारतीय बाजार में मौजूद विशाल क्षमताओं की जानकारी रखती हैं। मेरा मानना है कि जर्मनी की 65 प्रतिशत विनिर्माण कंपनियां पहले से ही भारत में मौजूद हैं और 30 प्रतिशत कंपनियां भारत आने की योजना बना रही हैं। यह दोनों देशों के बीच भावी सहयोग के विस्तार के लिए काफी अच्छी बात है।

जैसाकि कल मैंने हनोवर मेले के उद्घाटन में कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत और ठोस है। हम और बेहतर आर्थिक कार्यनिष्पादन तथा 8 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने के प्रति आश्वस्त हैं। निश्चय ही हमारा लक्ष्य निकट भविष्य में विकास दर को ऊंचा उठाकर 8 से 10 फीसदी के बीच करना है। भारतीय कंपनियां अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बनती जा रही हैं और हम भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों में विकास देख रहे हैं। भारत उत्पादन का आधार और कृषि जिंसों से लेकर मोटर-वाहन उपकरणों तथा सूचना प्रौद्योगिकी संचालित विभिन्न सेवाओं सहित कई प्रकार के उत्पादों के निर्यात का केन्द्र बन गया है। भारतीय कंपनियां अब निर्यात, असेम्बली, मूल्यवर्धन तथा पुनर्निर्यात जैसी अंतर्राष्ट्रीय उत्पादन श्रृंखला का एक हिस्सा बन गया है। जैसाकि हमने अभी हाल ही में देखा है, हनोवर मेले में स्थापित भारतीय पेवेलियन आज के भारतीय कौशल का एक अच्छा नमूना है।

आज, दुनिया के बड़े-बड़े निगम अपने आपको भारत में स्थापित कर रहे हैं। वे भारत में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में मौजूद उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रतिभा और कुशल श्रम-शक्ति का फायदा उठाना चाहते हैं। बुनियादी सुविधा विकास, विनिर्माण तथा उच्च प्रौद्योगिकी के इस त्रियामी क्षेत्र में भारत और जर्मनी के बीच सहयोग बढ़ाने की विशाल संभावनाएं मौजूद हैं। कई जर्मन कंपनियों ने भारत में अनुसंधान तथा विकास सुविधाओं और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग कार्यों का सफलतापूर्वक फायदा उठाया है। अन्य उद्यम भी अब भारत में मौजूद एक अरब उपभोक्ताओं वाले बाजार में मौजूद विशाल अवसरों के बारे में जानने लगे हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि इसके फलस्वरूप जर्मन कंपनियां भारत में अपने कारोबार के विस्तार तथा इस क्षेत्र में भारत को अपने विनिर्माण कार्यों का केन्द्र बनाने की योजना बना रहे हैं। यह एक काफी सूझबूझ भरी कार्यनीति है। मैं इसका स्वागत करता हूं।

मैं भारत-जर्मनी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री को उसकी पचासवीं वर्षगांठ पर अपनी हार्दिक बधाइयां देता हूं। मैं भारत-जर्मनी सलाहकार दल को भी बधाइयां देता हूं। आपने दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्तों को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। मैं आपके सभी भावी प्रयासों में आपकी सफलता की कामना करता हूं।

मैं इस कारोबारी शिखर बैठक की संपूर्ण सफलता की कामना करता हूं।